>

Title: Need to rescue 1200 Indians including 40 persons from Gujarat from Angola in Africa.

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आज आपके माध्यम से मैं पूरे सदन का ध्यान अत्यंत गंभीर और संवेदनशील प्रश्न की तरफ लाना चाहता हूं। पिछले 6-7 दिनों में अफ्रीका के अंगोला शहर में, हमारे देश के जो युवक वहां पर काम करने के लिए गए हैं, अंगोला में 1200 युवक हैं, इन 1200 युवकों को काम देने वाली जो कंपनी है, उसने उनके पासपोर्ट छीन लिए, जिस घर में वे रहते थे, उस घर से उन्हें बेघर कर दिया, एक महीने से उनको तनख्वाह भी नहीं दी है। वे टीवी चैनल्स पर रो रहे हैं। उनकी हालत बहुत दयनीय है। उन 1200 युवकों में से 40 गुजरात के हैं। जब यह हम सबके ध्यान में आया, हमारे गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र भाई ने शनिवार को प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखा। विजय चमनभाई नाम से पेटलाद में एक लड़का है, उनके घर गए। मेरी आपसे यही करबद्ध प्रार्थना है कि 1200 भारतीय नागरिक वहां फंसे हैं, उसमें युवक भी हैं, जो रोजगार के लिए गए हैं।

महोदया, ऐसा केवल आजकल नहीं होता है, जब-जब भी हमारे देश के युवक काम करने के लिए जाते हैं, तो उनके साथ यही व्यवहार किया जाता है कि उनका पासपोर्ट पहले से जब्त कर लिया जाता है। उनको तनख्वाह नहीं दी जाती , जो काम उन्हें सौंपा है, उससे दूसरा काम उनसे करवाया जाता है।

इसके कारण मैं आपसे यही कहना चाहता हूं कि सरकार यथाशीघ्र इस पर कार्रवाई करे। ये 1200 हमारे भारतीय नागरिक हैं। अगर हमारा एक नागरिक भी हिंदुस्तान के बाहर बैठा है, उसकी सलामती का सवाल है, उसकी भुखमरी का सवाल है, उसके साथ कोई अन्याय करता है, उसके जीवन का सवाल है, वे कह रहे हैं कि हम मर रहे हैं। मैंने टीवी पर परसों देखा कि जिनको बंधक बनाया, वे फंसे हुए हैं, वे रास्तों पर दौड़ रहे हैं, वे कह रहे हैं कि हम मर रहे हैं, हम भूखे हैं, कोई हम पर ध्यान दो। यह टीवी चैनल्स में आया है। वे जंगलों में छिपे हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि तुंत विदेश मंत्रालय से संपर्क करके हमारे जो 1200 युवक, भारतीय नागरिक फंसे हैं, जिनमें 40 गुजरात के हैं, उनको देश में वापस लाने का काम किया जाए। उनको तुंत संरक्षण दिया जाए, उनको जो-जो भी सुविधा की जरूरत है, उनकी सलामती की चिंता की जाए। यही मैं आपसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं, आपने मुझे समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।...(व्यवधान) मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि वह तुंत इस पर ध्यान दे, वे 1200 लोग हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: You all can send your names to associate with the matter raised by him.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया :

श्री पन्ना लाल पुनिया,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री शिवराम गौड़ा,

श्री रामसिंह राठवा,

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

श्री नारनभाई कछाड़िया,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री जितेन्द्र सिंह,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री सी.आर.पाटिल,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल और

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी अपने आपको श्री हरिन पाठक जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।